ई-गवर्नेंस पर क्षेत्रीय सम्मेलन में महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण

दिनांक : 09 जनवरी 2024, मंगलवार	समय : 2.00 PM	स्थान : खानापाड़ा, गुवाहाटी

- माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह जी,
- भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के सचिव श्री वी. श्रीनिवास जी,
- संयुक्त सचिव श्री एन.बी.एस. राज□ूत जी,
- असम सरकार के मुख्य सचिव श्री □बन कुमार बरठाकुर जी,
- उ□स्थित अन्य अतिथिगण,
- असम सरकार के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण,
- मीडिया के हमारे मित्रों,

नमस्कार !

ई-गवर्नेंस □र □ योजित इस दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैं यहां इस सम्मेलन का □ योजन करने के लिए केंद्र सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग को धन्यवाद देता हूं।

मुझे □ूर्ण विश्वास है कि यह सम्मेलन डिजिटल □रिवर्तन के माध्यम से लोगों को सशक्त बनाकर हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सुशासन के दृष्टिकोण के क्रियान्वयन में □ गे बढ़ने के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा।

मुझे यह भी विश्वास है कि यह अनूठी □हल □ म नागरिकों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए ई-गवर्नेंस की □ वश्यकता और उ□योगिता को □रिप्रेक्ष्य में रखने में सहायक होगा।

यह दो दिवसीय सम्मेलन ई-गवर्नेंस की उ□योगिता के बारे में लोगों और अन्य हितधारकों के बीच जागरूकता □दा करने की दिशा में एक महत्व□ूर्ण कदम है। यह सरकार के कामकाज और नागरिकों को सेवाएं प्रदान करने के तरीके को सरल बनाने में भी उ□योगी होगा।

मैं इस सम्मेलन से जुड़े सभी लोगों को व्यवस्थित तरीके से इस विचार-मंथन कार्यक्रम की कल्□ना, डिजाइन और क्रियान्वयन करने के लिए बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधि अ□नी विशेषज्ञता से इस सम्मेलन को प्रभावी और कुशल बनाएंगे।

मित्रों,

हमारी सरकार भारत को डिजिटल रू□ से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था बनाने की दृष्टि से डिजिटल इंडिया के स□ने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम एक मजबूत डिजिटल बुनियादी □ांचा बनाने के लिए सक्रिय रू□ से काम कर रहे हैं, जो हमारे नागरिकों के हितों की सेवा करेगा और उनके जीवन को बदल देगा।

ई-गवर्नेंस हमारे डिजिटल इंडिया के स□ने का एक अनिवार्य हिस्सा है। जिन प्रौद्योगिकियों को हम शासन में शामिल कर रहे हैं, उनका उद्देश्य हमारे जीवन को सरल और □ सान बनाना है। ई-गवर्नेंस प्रक्रियाओं को सरल बनाता है और कई बाधाओं को दूर करता है, जो काम की गति और प्रगति को धीमा कर रहे हैं। ई-गवर्नेंस □ारदर्शिता लाने, भ्रष्टाचार समाप्त करने, कार्रवाई की समयबद्धता और कार्य में देरी को समाप्त करता है। यह लागत को कम करता है तथा बिचौलियों के हस्तक्षे□ को खत्म करता है।

जब हम ई-गवर्नेंस की बात करते हैं, तो हमारे ध्यान में सबसे □हले "मोबाइल" का ध्यान □ ता है, जो एम-गवर्नेंस (मोबाइल गवर्नेंस) के महत्व को दोहराता है। यह मोबाइल गवर्नेंस □रियोजना मोबाइल फोन के माध्यम से बिल भुगतान, ट्रैफिक अलर्ट, ट्रैफिक जुर्माना भुगतान जैसी अन्य उ□योगिता सेवाएं उ□लब्ध कराती है।

यह सेवाओं के साथ-साथ शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए सरकार और नागरिकों को जोड़ने के लिए एक व्या□क नागरिक मंच "सेवा सेतु" तक □हुंच भी सुनिश्चित करता है।

□ूर्वोत्तर राज्यों के साथ-साथ दक्षिण □ूर्व एशियाई देशों का प्रवेश द्वार कहे जाने वाला असम □ ईटी का एक अग्रणी केंद्र है। इसने सरकार और नागरिकों के बीच जुड़ाव की एक नई प्रक्रिया बनाने के लिए प्रौद्योगिकी, नवाचार और शासन को एकजुट रू□ से विलय किया है, जो कि सराहनीय है।

मुझे खुशी है कि असम में भी ई-गवर्नेंस डिजिटल असम कार्यक्रम की प्रमुख □हलों में से एक है। असम के नागरिक अब प्रमाण-□त्रों के लिए □ वेदन करना, करों का भुगतान करना और सरकारी योजनाओं के लिए विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं।

मुझे खुशी है कि राज्य सरकार प्रोद्योगिकी के माध्यम से भूमि अभिलेखों के डिजिटलिकरण एवं मानचित्रण के लिए **"मिशन वसुंधरा",** सचिवालय में □ धिकारिक फाइलों के डिजिटलिकरण के लिए **"मिशन सद्भावना**", □शनभोगियों के लिए **"कृतज्ञता पोर्टल"** एवं **"जीवन प्रमाण"** जैसी □रियोजनाएं चला रही हैं। इससे सरकारी कामकाज और नागरिकों को सुविधा मिलने के साथ-साथ ई-गवर्नेंस को भी बढ़ावा मिल रहा है।

इसके अलावा “केंद्रीयकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली” (CPGRAMS) असम सरकार के सभी विभागों को जोड़ने वाला एकल ोर्टल है, जिसमें म नागिरक अ नी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारा देश प्रौद्योगिकी के दृष्टिकोण से एक सशक्त राष्ट्र बनाने की राह र अग्रसर है। हमारी युवा ऊर्जा हमारे राष्ट्र के लिए बेशकीमती सं त्ति है। इसलिए, हम प्रौद्योगिकी के माध्यम से कौशल विकास र अधिक जोर दे रहे हैं।

मित्रों,

 ज हम नवीनतम तकनीक का उ योग करके जिस ैमाने और गति से प्रगति कर रहे हैं, वह अभूत ूर्व है। एक बात हमें ध्यान रखनी चाहिए कि ारंरिक द्धति की जगह प्रोद्योगिकी को अ नाने के लिए हितधारकों की मानसिकता में बदलाव की वश्यकता है।

नागरिकों को ई-गवर्नेंस हल का ूरा लाभ उठाने के लिए खुद को तकनीकी प्रक्रियाओं के अनुरू ालने की जरूरत है। इसलिए, इस बदलाव को सुविधाजनक बनाने में विभिन्न सरकारी एजेंसियों और अन्य हितधारकों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

ई-गवर्नेंस की सफलता □ूरी तरह से प्रक्रियात्मक, तकनीकी और सांस्कृतिक □रिवर्तन के सफल और सुचारू प्रबंधन □र निर्भर करती है।

ई-गवर्नेंस सेवाएं जैसे जीवन प्रमाण, डिजिटल लॉकर सिस्टम, राष्ट्रीय छात्रवृत्ति □ोर्टल, ई-अस□ताल-ओ□ीडी □ंजीकरण □ांचा (ओ□ रएफ), ई-राष्ट्रीय कृषि बाजार, ई-कोर्ट, डिजिटल सार्वजनिक वितरण प्रणाली, ई-सं□र्क □ दि सभी ई-गवर्नेंस की शाखाएं हैं।

अगर हमें डिजिटल की अभूत□ूर्व वृद्धि का उ□योग करना है, तो हमें उन्हें निरंतर संशोधित करने की □ वश्यकता है। हमें संस्थागत संरचनाओं, कानूनी और नियामक रू□रेखा और सूचना लेनदेन प्रक्रियाओं को विकसित करना होगा।

मैं हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को उनके दूरदर्शी नेतृत्व और प्रौद्योगिकी का उ□योग करके समावेशी विकास और □रिवर्तन लाने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए सराहना करता हूं।

मुझे □ूर्ण विश्वास है कि यह क्षेत्रीय सम्मेलन कई नवीन विचारों का केंद्र बिंदु बनेगा, जो □ ने वाले वर्षों में हमारे राष्ट्र की मदद करेगा।

यह हमारे सिस्टम और नागरिकों को ई-गवर्नेंस को एक उ□करण के रू□ में ई-गवर्नेंस का तेजी से उ□योग करने के लिए सशक्त बनाएगा ताकि □ म नागिरक हमारी केंद्र सरकार द्वारा प्राप्त अवसरों का लाभ उठा सकें और 2047 तक विकसित भारत की □रिकल्□ना को साकार किया जा सके।

इस दो दिवसीय सम्मेलन की सफलता के लिए मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

धन्यवाद।

जय हिन्द।